Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 03-सितंबर, 2022

नुआखाई जुहार

हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने **'नुआखाई जुहार'** (Nuakhai Juhar) के अवसर पर देश के किसानों को शुभकामनाएँ दी। यह एक **कृषि उत्सव** है जिसे **'नुआखाई परब'** (Nuakhai Parab) या **'नुआखाई भेटघाट'** (Nuakhai Bhetghat) भी कहा जाता है। नुआखाई दो शब्दों (**नुआ+खाई**) से मिलकर बना है जो नए चावल खाने के महत्त्व को दर्शाता है। यहाँ 'नुआ' का अर्थ है नया और 'खाई' का अर्थ है भोजन। यह बदलते मौसम के साथ नई फसल का स्वागत करने के लिये **पश्चिमी ओडिशा, दक्षिणी छत्तीसगढ़ एवं झारखंड** के कुछ क्षेत्रों में मनाया जाने वाला एक प्राचीन त्योहार है। यह उत्सव **गणेश चतुर्थी** के एक दिन बाद मनाया जाता है। इस दिन किसान अन्न की पूजा करते हैं और विशेष भोजन तैयार करते हैं। ओडिशा के संबलपुर ज़िले की प्रसिद्ध **'मातृ देवी'** देवी समलेश्वरी (Goddess Samaleswari) को किसान अपनी भूमि से पहली उपज के रूप में कुछ अन्न अर्पित करते हैं। इसे स्थानीय ओडिया भाषा में **बारा मस्सा रे तेरा परब**' के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों की मान्यता है कि नुआखाई उत्सव वैदिक काल में आरंभ हुआ था जब ऋषियों ने पंचयज्ञ पर विचार किया, **पंचयज्ञ** का एक हिस्सा **प्रलंबन यज्ञ** था जिसमें **नई फसलों की कटाई और उन्हें देवी माँ को अर्पित करने का उत्सव मनाया जाता था।** नुआखाई महोत्सव का उद्देश्य देश की आर्थिक प्रगति में कृषि की प्रासंगिकता के बारे में समाज को एक महान संदेश देना है। इसी प्रकार का त्योहार तटीय ओडिशा में 'नबन्ना' नाम से मनाया जाता है। ओडिशा में त्योहारों की जीवंत-संस्कृति है।

विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने मिस्र में आगामी निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप के लिये 48 सदस्यों की भारतीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा कर दी है। **लंदन ओलम्पिक्स में रजत पदक विजेता विजय कुमार** चार वर्ष बाद अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। रैपिड फायर पिस्टल में उनके अलावा अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू भी भारतीय दल में शामिल हैं। एयर राइफल-3 पोजिशन में विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता और ओलम्पियन अंजुम मुदगिल भाग लेंगे। **विश्व चैंपियनशिप 12 से 25 अक्तूबर, 2022 तक काहिरा में होगी।** इसमें **पुरुष और महिला वर्गों में चार ओलम्पिक कोटा** स्थान मिलेंगे। **विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप का संचालन इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (ISSF) द्वारा किया जाता है** । वर्ष 1896 के सफल ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के बाद विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप वर्ष 1897 में शुरू हुई। हालाँकि ISSF की स्थापना वर्ष 1907 तक नहीं हुई थी, फिर भी इन शुरुआती प्रतियोगिताओं को संगठन द्वारा चैंपियनशिप की एक सतत् पंक्ति की शुरुआत के रूप में देखा जाता है। ISSF की सभी शूटिंग स्पर्द्धाओं सहित **ये चैंपियनशिप वर्ष 1954 से प्रत्येक चार वर्ष में आयोजित** की जाती हैं। केवल शॉटगन स्पर्द्धाओं के लिये विषम संख्या वाले वर्षों में अतिरिक्त विश्व चैंपियनशिप प्रतियोगिता होती है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (NRAI) को भारत में शूटिंग खेल के विकास और आत्मरक्षा के लिये नागरिकों को प्रशिक्षण देने हेतु स्थापित किया गया था। राष्ट्रीय राइफल संघ के अंतर्गत 53 राज्य संघ आते हैं। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय, राज्य, ज़िला और क्लब स्तर पर नियमित तौर पर टूर्नामेंट आयोजित होते हैं।

केंद्र सरकार की सभी महिला कर्मचारियों को साठ दिन का विशेष अवकाश

केंद्र सरकार की सभी महिला कर्मचारियों को साठ दिन का विशेष अवकाश मिलेगा। यह अवकाश शिशु के जन्म के तुरंत बाद या प्रसव के दौरान मृत्यु हो जाने के मामलों में दिया जाएगा। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने इस बारे में आदेश जारी किया। कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने बताया कि शिशु के जन्म से पूर्व ही या जन्म के तुरंत बाद मृत्यु की मानसिक पीडा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि ऐसे मामलों में माता के जीवन पर दूरगामी प्रभाव पडता है। मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि शिशु के जन्म होने के तुरंत बाद या 28 दिन के भीतर मृत्यु हो जाती है तो माता विशेष मातृत्व अवकाश का पात्र होगी। यदि 28 सप्ताह या उसके बाद शिशु की गर्भ में मृत्यु हो जाती है तो भी माता को यह विशेष अवकाश मिलेगा। मंत्रालय के आदेश में यह भी कहा गया है कि विशेष मातृत्व अवकाश केंद्र सरकार की उन्हीं महिला कर्मचारियों को मिलेगा जिनके दो से कम जीवित बच्चे हैं और प्रसव किसी अधिकृत अस्पताल में हुआ हो।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-03-september-2022